



ब्रह्म  
१२/१२/१२

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 425] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 18, 1991/कार्तिक 27, 1913  
No. 425] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 18, 1991/KARTIKA 27, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारतीय पाल चिकित्सा परिषद

ग्राहितना

नई दिल्ली, 18 नवम्बर 1991

मा. का. न. 694(प्र) पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984  
की घारा 66 (1984 की 52) के उपलब्धों के द्वारा प्रदल शिक्षियों  
का प्रयोग करने हुए भारतीय पशुचिकित्सा परिषद केन्द्रीय सरकार दी  
पूर्व महसूति के माथ निम्नलिखित विनियम प्रकाशित बनानी हैः—

1. ये विनियम भारतीय पशुचिकित्सा परिषद विनियम (सामान्य) 1991 कलापादेन में / यह अधिनियम तत्काल लागू होंगे।

2. जब तक की प्रवगा न हो इन नियमों की अस्थाया साकार्यक होगा,

(क) "अधिनियम" का आमप्राय भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1984 (1984 का 52) से हैँ।

(ख) "परिषद" का आमप्राय इस अधिनियम के अन्तर्गत बनाई गई भारतीय चिकित्सा परिषद में है।

(ग) "परिषद के कर्मचारी" से तात्पर्य इस "अधिनियम" की घारा II की उपघारा (i) के अन्तर्गत नियुक्त किए अक्षित से हैँ,

(घ) "कार्यकारिणी समिति" या "समिति" का आमप्राय इस अधिनियम की घारा 12 की उप-घारा (i) के अन्तर्गत संगठित कार्यकारिणी समिति या समिति से है।

(इ) अधिनियम की घारा 11 की उप-घारा (i) के अन्तर्गत नियुक्त 'समूह' में दफतरी, जमावार, चपरासी, चौकीधार तथा स्वाई कर्मचारी शामिल हैं।

(ज) 'निरीक्षक' से अमिक्राय इस अधिनियम की घारा 19 की उप-घारा (i) के अन्तर्गत नियुक्त पशुचिकित्सा निरीक्षक से हैँ।

(झ) "सदस्य" का आमप्राय अधिनियम की घारा 3 के अन्तर्गत चुने गए या नामित सदस्य है।

(अ) "अनुमतिवीय स्टाफ" का आमप्राय इस अधिनियम की घारा 11 की उपघारा (i) के अन्तर्गत नियुक्त पर्यवेक्षक, प्रधान लिपिक लेखाकार, लेखा सहायक, रोकडिया, कंप्यूटर आपरेटर, स्वागतकर्ता, लिपिक, आणुलिपिक, टंकक, रैस्टेटर, प्रापरेटर, स्टाफ कार ड्राइवर से हैं।

(झ) "शध्यक" से अमिक्राय इस अधिनियम की घारा 3 की उपघारा (4) के अन्तर्गत चुना गया भारतीय पशुचिकित्सा पारश्व के अध्यक्ष से हैँ।

(ट) "उपाध्यक्ष" से अधिकारीय हस्त अधिनियम को घारा 3 का उपाधारा (4) के अन्तर्गत चुने गए भारतीय पश्चिामा परिषद के उपाध्यक्ष रहे हैं।

(इ) "सचिव" से अधिकारीय अधिनियम को घारा 11 को उपाधारा (i) के अन्तर्गत नियुक्त "सचिव" से है।

(इ) "परिचर्णक" से अधिकारीय इस अधिनियम की घारा 20 को उप घारा (i) के अन्तर्गत नियुक्त "परिचर्णक" रहे हैं।

3. इस परिषद का कार्यालय शिल्पी में स्थित होगा।

भाग 1 में भाग 9 तक

भाग 1

परिषद की बैठक में गमय स्थान तथा कार्य की नैयागी

4. (1) परिषद की बैठक साधारणतया दिल्ली या ऐसे किसी अन्य स्थानों पर और ऐसी नियत तथा समय पर होती जैसा कि परिषद द्वारा निर्धारित किया जाए :

इसमें यह व्यवस्था है कि अध्यक्ष किसी भी समय 15 दिनों की सूचना पर विशेष बैठक बुला सकता है।

(1) किसी ऐसे मामले के मंज़ब्र में जहाँ पर परिषद कार्यालय मिलाना अवश्यक हो,

(2) विनियम 8 भी घारा (i) के उप-अनुच्छेद (ख) के प्रावधानों में विविदित किसी उद्देश्य के लिए तथा

(3) परिषद के कुल सदस्यों में से कम से कम पचास प्रतिशत सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित अध्यार्थीया की जाने पर किसी ऐसे प्रयोजन के लिए जो परिषद के कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत हो किन्तु खाड़ (2) में लिखित न हो।

(2) किसी विशेष कार्य में किया जाना परिषद का प्रथम अधिकारीय उस कार्य के लिए परिषद का वार्षिक अधिकारीय होगा।

5. विनियम 4(1) के परत्तक में निर्दिष्ट अधिकारीयों में केवल उसी विषय या विषयों पर विशार-विमर्श किया जाएगा जिस पर विचार करने के लिए अधिकारीय बुलाया गया है।

#### अधिकारीयों की सूचना

6. (1) विनियम 4(1) के परत्तक के अधीन या विनियम 8(1) (ख) के प्रथम परत्तक के अधीन बुलाए गए विशेष अधिकारीय से पिछ प्रत्येक अधिकारीय की सूचना, सचिव द्वारा परिषद के प्रत्येक सदस्य की अधिकारीय की नामजूर के लिए उसके नाम पहले भेजी जाएगी।

(2) परिषद के प्रत्येक अधिकारीय की सूचना डाक में डाले जाने के प्रमाण-पत्र के अधीन भेजी जाएगी किन्तु किसी सूचना के प्राप्त न होने से किसी अधिकारीय की लायेकासी अधिकारीय मात्र महीं होगी।

#### कार्यसूची के कागज-पत्र

7. (i) सचिव अधिकारीय की सूचना के साथ प्रारम्भिक कार्यसूची के कागजपत्र जारी करेगा जिसमें अधिकारीय में किया जाना वाले का काज और उन सभी प्रस्तावों की विषय वस्तु जिनको प्रदत्त करने की सूचना लिखित रूप में उसके पास पहले पहुँच जूकी है तथा प्रस्तावों के साम वर्णित किए जाएंगे।

(2) यदि कोई सदस्य ऐसा कोई प्रस्ताव देना चाहता है जो प्रारम्भिक कार्यसूची के कागज पत्र में सम्मिलित नहीं है या ऐसे कागजपत्र में किसी मद में कोई संशोधन करने का प्रस्ताव करना चाहता है तो

वह सचिव को उसकी सूचना आधिकारीय के लिए नियत नारीख में कम से कम पूरे 15 दिन पहुँचे और विशेष अधिकारीय को दृष्टि में अधिकारीय की सूचना के साथ पूर्ण कार्यसूची के कागज पत्र जारी करेगा तिथि वर दर्ज होगा कि अधिकारीय में क्या काम-काज किया जाएगा।

(3) सचिव अधिकारीय के लिए नियत नारीख में कम से कम पूरे 15 दिन पहुँचे और विशेष अधिकारीय को दृष्टि में अधिकारीय की सूचना के साथ पूर्ण कार्यसूची के कागज पत्र जारी करेगा तिथि वर दर्ज होगा कि अधिकारीय में क्या काम-काज किया जाएगा।

(4) यदि कोई सदस्य पूर्ण कार्यसूची के कागजपत्र में सम्मिलित किसी ऐसी मद में संशोधन देना चाहता है जो प्रारम्भिक कार्यसूची के कागज पत्र में सम्मिलित नहीं हो तो उसकी सूचना सचिव का अधिकारीय के लिए नियत नारीख में कम से कम पूरे 5 दिन पहुँचे देगा।

(5) यदि समय मिले तो सचिव उस समय गणोधानों की सूचना जिनकी सूचना द्वारा (5) के अधीन दी गई है, प्रत्येक सदस्य की उसके उपयोग के लिए उपलब्ध कराएगा।

परन्तु यह ओर कि इस विनियम को कोई बात विशेष परिस्थितियों में कार्यकारिणी समिति द्वारा किसी विशेष का निर्देश करना है। परिषद के समक्ष उसके किसी ऐसे अधिकारीय में करने पर रोक नहीं लगानी है जो इस विनियम के अधीन अपेक्षित सूचना की अनुमति देने के लिए कार्यकारिणी समिति के अधिकारीय के अधिकारीय के पश्चात तुरन्त या अनिश्चित हो।

#### प्रस्ताव की ग्रहणता

8. (1) अध्यक्ष किसी प्रस्ताव को निम्ननिविस परिस्थितियों में नामजूर करेगा :

(क) यदि प्रस्ताव किसी ऐसे विषय के मध्यमें है के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत नहीं है

(ख) यदि प्रस्ताव में तार भूतरूप से उसी प्रश्न को प्रस्ताव या संशोधन के रूप में बैठक वाले दिवस से एक वर्ष के भीतर उठाया गया है जो कि परिषद की शाजात से पेश किया जा चुका है या वापस ले लिया गया है।

परन्तु ऐसे प्रस्ताव के परिषद के विशेष अधिकारीय में ग्रहण किया जा सकता है जो परिषद के सदस्यों में से कम से कम दो निर्वाचित सदस्यों की अध्यपेक्षा कर इस प्रयोजन के लिए बुलाया गया हो,

परन्तु यह ओर कि इस विनियमों की कोई बात किसी ऐसे विषय पर आगे विचार विमर्श किए जाने को प्रतिविरुद्ध नहीं करती है जिसे परिषद को केन्द्रीय सरकार ने अधिनियम के अधीन अपने किसी कृत्य का प्रयोग करते हुए निवेदित किया है।

(ग) जब तक कि प्रस्ताव में पर्याप्त रूप से कोई ठोस मामला न उठाया गया हो।

(घ) यदि प्रस्ताव में तर्क, निष्कर्ष व्यांगोक्ति, लाल्जन या मानवान्तराकार कथन हों।

परन्तु यदि संशोधन से प्रस्ताव प्राप्त हो जाता है तो अध्यक्ष उस प्रस्ताव को नामजूर करने की बजाए उसे संशोधित रूप में ग्रहण कर सकता है।

(2) यदि अध्यक्ष किसी प्रस्ताव को नामजूर या संशोधित कर देता है तो सचिव उस सदस्य को, जिसने प्रस्ताव की सूचना दी थी, यथास्थिति, उस प्रस्ताव की नामजूरी के आदेश की या जिस संशोधित रूप में वह प्रस्ताव ग्रहण किया गया है उस रूप की, जानकारी देगा।

## भाग-2

परिषद के अधिकारियों में कामकाज का संचालन

9. (1) परिषद के प्रत्येक अधिकारी की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेगा या यदि वह अनुपस्थित है तो उपाध्यक्ष करेगा या यदि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ही अनुपस्थित हैं तो उपस्थित मवस्यों द्वारा अपनों में से निर्वाचित सदस्य करेगा।

(2) इस भाग में अध्यक्ष के ब्राति किए गए सभी निर्देश, उस व्यक्ति के प्रति समझे जाएंगे जो उस समय अधिकारियों की अध्यक्षता करता है।

10. परिषद की बैठक में आवश्यक कामकाज के संचालन के लिए कारम नी सदस्यों का होगा। यदि अधिकारियों के लिए नियत समय पर गणपूर्ति नहीं होती है तो अधिकारियों तब तक प्रारम्भ नहीं होगा जब तक कि गणपूर्ति नहीं हो जाती और यदि इस अधिकारियों के लिए नियत समय से तीन मिनट समाप्त होने पर या किसी अधिकारियों के बौरान गणपूर्ति नहीं होती तो अधिकारियों में ऐसे समय और तारीख के लिए स्थगित हो जाएगा जो अध्यक्ष नियत करे।

11. (1) परिषद द्वारा अवधारित किए जाने वाले प्रत्येक विषय का अवधारणा, किसी सदस्य द्वारा प्रस्ताव पेश किए जाने और उसे अध्यक्ष द्वारा परिषद के समझ रखे जाने पर, उपस्थित सदस्यों की बहुमत से नियंत्रण होगा।

(2) मत हाथ उठाकर या विभाजन द्वारा या मतदान (बैलट) द्वारा, जैसा भी अध्यक्ष निर्वाचित करे, लिए जाएंगे :

परन्तु मतदान (बैलट) द्वारा मत तभी लिए जाएंगे जब तीन सदस्य ऐसा करने को बांधा करें और उसकी मांग करें :

परन्तु यह और कि यदि मतदान हाथ उठाकर किया जाता है तो विभाजन उसी वश में किया जाएगा जब कम से कम एक सदस्य उसकी मांग करे।

(3) अध्यक्ष विभाजन द्वारा मत लेने की पद्धति अवधारित करेगा।

(4) अध्यक्ष मतदान के परिणाम की घोषणा करेगा और वह अतिम होगा।

(5) मत बराबर होने की वश में अध्यक्ष का निर्णयिक मत होगा।

12. जब एक ही वात्सर्य के समान प्रस्ताव द्वारा या वो से अधिक सदस्यों के नाम से हो तब अध्यक्ष यह विनियम करेगा कि किसका प्रस्ताव पेश किया जाएगा और तत्पश्चात् अन्य प्रस्ताव या प्रस्तावों को बापस ले लिया गया समझा जाएगा।

13. (1) प्रत्येक प्रस्ताव या संशोधन का अनुमोदन आवश्यक है और यदि उसका अनुमोदन नहीं किया जाता है तो वह बापस से लिया गया समझा जाएगा।

(2) जब प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया जाता है तो उसका कथन अध्यक्ष करेगा।

(3) जब प्रस्ताव वा इस प्रकार से कथन कर दिया जाता है तो तब उस पर इस प्रश्न का निर्णय करने के लिए विचार-विमर्श किया जा सकता है कि उसे स्वीकार किया जाए या स्वीकार किया जाए अथवा कोई सवस्य उस प्रस्ताव में, विनियम 14 और 15 के अधीन, संशोधन पेश कर सकता है।

परन्तु अध्यक्ष किसी ऐसे संशोधन को पेश करने की अनुमति नहीं देगा जो मूल प्रस्ताव होने की दशा में, विनियम 5 के अधीन अनुमति देता है।

14. (1) किसी प्रस्ताव में संशोधन, ऐसे प्रस्ताव से मुमंगत और उसके प्रतिवर्य के अन्तर्गत होना चाहिए।

(2) ऐसा संशोधन, पेश नहीं किया जा सकता जिसका प्रभाव केवल नकारात्मक मत (बोट) प्राप्त करता है।

(3) अध्यक्ष ऐसे किसी संशोधन को, जो उसकी राय में तुच्छ है, परिषद के समझ रखने से इन्कार कर सकता है।

15. किसी प्रस्ताव का संशोधन निम्नलिखित त्रैय से किया जा सकता है :-

(क) प्रस्ताव में कोई गलत या शब्दों को निकालकर, अन्तःस्थापित कर या जोड़कर,

(ख) मूल शब्दों के स्थान पर किन्तु अन्य शब्दों को रखकर।

16. जिस समय किसी प्रस्ताव या संशोधन पर विचार-विमर्श हो रहा है उस समय उसके सम्बन्ध में किसी भी ऐसे संशोधन के प्रस्ताव का उल्लेख नहीं किया जाएगा जो निम्नलिखित से मिलने हो :-

(क) यथास्थिति, किसी प्रस्ताव या संशोधन का ऐसा संशोधन जैसा कि विनियम 13 में प्रस्तावित है,

(ख) किसी प्रस्ताव या संशोधन पर विचार-विमर्श को किसी विनियम द्वारा और समय या अनिश्वितकाल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव,

(ग) विचार-विमर्श समाप्त करने के लिए प्रस्ताव प्रथात् यह, प्रस्ताव कि अब प्रश्न पर मतदान कराया जाए,

(घ) यह प्रस्ताव कि परिषद जिस प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर रही है उस पर विचार करने की बजाए कार्यक्रम की अगली मद पर विचार किया जाए,

परन्तु ऐसा कोई प्रस्ताव या संशोधन पेश नहीं किया जाएगा जिससे हो रहे किसी भावण में बोधा पड़े।

परन्तु यह और कि कोई ऐसा सवस्य, जो प्रश्न के बारे में अधिकारियों के समझ पहले ही बोल चुका हो, उपर्युक्त खण्ड (ख), (घ) में विविध स्वरूप का कोई प्रस्ताव पेश नहीं करेगा।

परन्तु यह भी कि खण्ड (ग) और (घ) में निर्दिष्ट प्रस्ताव विनायक विवरण के पेश किया जाएगा।

(2) अध्यक्ष को यह विवेकाभिकार होगा कि वह उपनियम (1) के खण्ड (ख) में निर्दिष्ट स्वरूप का प्रस्ताव परिषद के समझे रखे या उसके से इन्कार करे।

(3) यदि अध्यक्ष की यह राय है कि विचार-विमर्श समाप्त करने का प्रस्ताव उचित विचार-विमर्श करने के अधिकार का दुरुपयोग नहीं है तो वह तत्काल यह प्रस्ताव कि अब प्रस्ताव पर मतदान कराया जावे और यदि उसका यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो जिस प्रस्ताव या संशोधन पर विचार-विमर्श हो रहा है यह तत्काल रखा जाएगा,

परन्तु अध्यक्ष विचार-विमर्श किए जा रहे मूल प्रस्ताव को उसके से प्रस्ताव को उत्तर देने के उसके अधिकार का प्रयोग करने की अनुमति देता है।

17. ऐसा कोई प्रस्ताव या संशोधन, जो पेश और अनुमोदित किया गया है, परिषद की इजाजत के विवाद बापस नहीं किया जाएगा किन्तु यदि कोई सवस्य यह इजाजत देने में विसर्जित प्रक्रिया है तो इजाजत दी गई नहीं समझी जाएगी।

18. यदि प्रस्ताव पेश और अनुमोदित कर दिया जाता है तो प्रस्तावक और अनुमोदक से भिन्न मदस्य प्रस्ताव के बारे में उस क्रम के अनुसार बोल सकते हैं जैसा अध्यक्ष निर्देश करें:

परन्तु प्रस्ताव या संशोधन का अनुमोदक, अध्यक्ष की अनुमति से, पहले भाषण को धर्मास्थिति प्रस्ताव या संशोधन का केवल अनुमोदन करने के लिए सोमित्र रख सकता है और विचार-विमर्श के किसी पश्चात् वर्ती प्रक्रम पर उसके बारे में ओर सकता है।

19. अधिकारेशन के दोगांन अध्यक्ष किसी भी समय विचार-विमर्श में सदस्यों की महायातार्थ किसी मद की व्याख्या करने के लिए कोई आपत्ति कर सकता है। या कोई मुसाव जारी या जानकारी दे सकता है।

20.(1) मूँ ग्रस्ताव के प्रस्तावक को और यदि अध्यक्ष किसी संशोधन के प्रस्तावक को अनुमति दे दी है तो उसे, अन्तिम उत्तर देने का अधिकार प्राप्त होता है, कोई भी अन्य सदस्य किसी विचार-विमर्श में निजी स्पष्टकरण क्षेत्र या उस समय परिषद को सम्झौतिल करने वाले सदस्य से प्रश्न पूछने के प्रयोजन के लिए अध्यक्ष की अनुमति से ही एक से अधिक बार बोलेगा, अन्यथा नहीं,

परन्तु कोई सदस्य विचार-विमर्श के किसी प्रश्न पर काई आपत्ति उठा सकता है किन्तु उसे मुद्रे पर कोई भाषण करने की अनुमता नहीं दी जाएगी,

परन्तु यह और कि कोई ऐसा सदस्य, जो प्रस्ताव के बारे में बोल चुका है, उस प्रस्ताव में पेश किए गए संशोधन के बारे में फिर से बोल सकता है।

(2) कोई भी सदस्य, अध्यक्ष की अनुमति के भिन्न या पांच मिनट से अधिक नहीं बोलेगा,

परन्तु प्रस्ताव पेश करने वाला प्रस्तावक अपने प्रस्ताव पेश करने समय दरा मिनट तक बोल सकता है,

(3) जिस प्रस्ताव या संशोधन पर भाषण किया जाता है यह निश्चय ही उसके विषय बस्तु तक सीमित रहता।

(4) यदि मदस्य, जिसके नाम से कोई प्रस्ताव या संशोधन पेश किया जाने वाला है, अधिकारेशन में अनुपरिधन है या उसे पेश करने का इच्छुक नहीं है तो कोई दूसरा सदस्य भी अनुमति से उसे पेश करता है।

21.(1) कोई भद्रत्य, जो परिषद के समक्ष किसी विषय के बारे में कोई टीका टिप्पणी करना चाहता है, अपने स्थान से उठेगा और अध्यक्ष को सम्मोहित करेगा।

(2) यदि अध्यक्ष किसी समय बड़ा हो जाता है तो जो सदस्य उस समय बोल रहा है उसका अपने स्थान पर बैठ जाएगा।

22. सदस्य को अन्यथा के समक्ष काम-काज के बारे में ही बैठक में चुना जाएगा अन्यथा नहीं।

23.(1) जब किसी प्रस्ताव में संशोधन पेश और अनुमोदित किया जाता है या जब इस प्रकार के दो या दो से अधिक संशोधन पेश और अनुमोदित किए जाते हैं तब अध्यक्ष उनके बारे में परिषद की रूप जनने से पहले परिषद के समक्ष मूल प्रस्ताव और प्रस्तावित संशोधन और या संशोधनों का कथन करेगा या उन्हें पढ़कर सुनाएगा।

(2) प्रस्ताव के संशोधन पर पहले मतदान कराया जाएगा।

(3) यदि प्रस्ताव में एक या एक से अधिक संशोधन पेश किए गए हैं तो अध्यक्ष यह विनिश्चय करेगा कि किस क्रम से उन पर विचार किया जाएगा।

24. जब किसी ऐसे प्रस्ताव पर जिसमें अनेक मुद्रे हैं, विचार विमर्श किया जा चुका है तब अध्यक्ष को यह विवेकाधिकार होता है कि वह प्रस्ताव को विभाजित करे और प्रत्येक या किसी मुद्रे को मतदान के लिए अन्तर्गत रूप में रखे जैसा कि वह यानुभव करें।

25.(1) यदि अध्यक्ष अत्यावश्यकताओं के कारण आवश्यक समझता है तो वह किसी समय किसी अधिकारेशन की भविष्यत में किसी दिन के लिए या जिस दिन अधिकारेशन होने वाला है उसी दिन किसी अन्य गठबंध के लिए स्थापित कर सकता है और उसके लिए कारणों का कथन कर सकता है।

(2) जब किसी कोई आवश्यकता भविष्यत में किसी दिन के लिए स्थापित किया जाता है तब विचार उसके स्थगन को सुनायें, ऐसे प्रत्येक मदस्य को भेजेगा जो ऐसे अधिकारेशन से उपर्युक्त नहीं था।

(3) जब अधिकारेशन भविष्यत में किसी दिन के लिए स्थापित हो गया है तब अध्यक्ष विषय करने वाले कारणों से ऐसे अधिकारेशन का दिन तुलना परिवर्तित कर सकता है और मविव प्रत्येक मदस्य को ऐसे परिवर्तन की लिखित सूचना भेजेगा।

(4) भविष्यत में किसी दिन के लिए स्थापित अधिकारेशन में किसी ऐसे प्रस्तावकों, जो विचार किए जाने के लिए पूर्वार्थी दिन से लम्बित हैं कार्यक्रम के अन्य विषयों पर प्रायमिकता दो जाएगी किन्तु तब नहीं जब कि अध्यक्ष अन्यथा निश्चित है।

(5) अध्यक्ष का कोई सदस्य या तो अधिकारेशन प्रारम्भ होने के समय या अधिकारेशन के विशेष मद पर विचार-विमर्श भाग्यता जाने के पश्चात्, कामकाज के कार्यक्रम में किसी परिवर्तन का मुसाव देसकता है और यदि परिषद् इसमें सहमत होता है तो ऐसा परिवर्तन कर दिया जाएगा।

(6) स्थापित अधिकारेशन में किसी ऐसे विषय पर विचार-विमर्श नहीं किया जाएगा जो मूल अधिकारेशन के कार्यक्रम में नहीं था।

(7) स्थापित अधिकारेशन के लिए वहां गणपूर्ण आवश्यक होती जो अधिकारेशन के लिए आवश्यक है।

26.(1) अध्यक्ष आपत्ति के उन सभी मुद्रों के बारे में विनिश्चय करेगा जो उठाए जाएं और उसका विनिश्चय अन्तिम होता है।

(2) यदि कोई प्रश्न किसी ऐसे विषय से मंबोधित प्रक्रिया के बारे में चर्चा हो जिसके लिए विनिश्चयों में कोई उत्तरान्ध नहीं है तो अध्यक्ष उसका विनिश्चय करेगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होता है।

(3) अध्यक्ष किसी ऐसे कामकाज के बारे में, जिस पर विचार और विनिश्चय करना, परिषद् या कार्यकारिणी समिति के लिए, आवश्यक हो, यह निर्देश देगा कि वह कामकाज परिषद् या कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के बोर्ड परिषद् परिचालित करके विषयालिंग अनुसार विद्या जाएगा।

परन्तु मदि, यथास्थिति, परिषद् के द्वारा सदस्य या कार्यकारिणी भवित्व के तीत सदस्य यह आहते हैं कि किसी विलेय विषय या विनिश्चयपरिचालन को बजाए अधिकारेशन में किया जाए तो वह विषय परिषद् या कार्यकारिणी समिति के अधिकारेशन में रखा जाएगा।

(4) यदि कोई प्रश्न किसी ऐसे विषय से मंबोधित प्रक्रिया के बारे में चर्चा हो जिसके लिए विनिश्चयों में से बहु-संबद्धक सदस्यों ने उसे अनुमोदित कर दिया है तो वह उसी प्रकार आवश्यक होता है जिस प्रकार कि परिषद् या कार्यकारिणी समिति के अधिकारेशन में पारित किया गया कोई संकल्प होता है।

27. अध्यक्ष के विवेकानुसार प्रेस के चार प्रतिनिधियों का भार अन्य विमिति को और किसी एक समय पर चार से अधिक तीनों से अधिकारेशन से प्राप्त अनुज्ञापन (परमिट) प्रस्तुत करने पर अधिकारेशन में प्रवेश करने दिया जा सकता है। प्रतिनिधियों से यह अध्यक्ष की जाएगी कि वे कूकार्यालियों की प्राप्ति लिपीट के प्रकाशन के बारे में मन्त्रिव का पुरानुमोदन प्राप्त वर्ते। अध्यक्ष किसी भी समय बन्द करने में अधिकारेशन कर सकता है और ऐसी विशा में सभी निम्नित से यह अध्यक्ष की जाएगी कि वे वहां ने चर्चे जाएं।

भाग- 3

## परिषद् का कायेकृत

२८. परिषद् की बैठक की कायेवाही मुक्ति कार्यवृत्त के रूप मरम्मा जाएगा, जिसको पुष्टि करने के बाद अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर से अधिनियमित का जाएगा।

२९. प्रत्येक बैठक के कायेवृत्त की प्रति बैठक के इस विनों के अलंकार राष्ट्रपति की प्रस्तुति की आदेश तथा यह उनके द्वारा सत्यापित की जाएगी तथा बैठक के नीम दिन के भीतर प्रत्येक गवर्स को भेजी जाएगी।

३०. प्रत्येक बैठक के कायेवृत्त में इस प्रकार प्रस्ताव और सशाखित छोड़े जो प्रस्तावक श्रीर समर्थक के नाम के साथ प्रस्तावित और अपनाए गए वा तात्पर गए होंगे, किन्तु बैठक में किसी सबस्थ द्वारा की गई टिप्पणी या प्रेषण का रिकाउंट नहीं होगा।

३१. यदि मन्त्रिव द्वारा कायेवृत्त भेजने के ३० दिन के भीतर कायेवृत्त को शुद्धिता के मर्याद में कोई आपत्ति प्राप्त होती है, तो ऐसी आपत्ति की यथा रिकाउंट किए गए सभा प्रसाधित किए गए कायेवृत्त के साथ पुष्टि के लिए परिषद् की अगली बैठक के रिकाउंट की शुद्धिता को श्रावका कोई और प्रयत्न नहीं उठाए जाएँ।

बगते कि यदि उस विषेष बैठक के कायेवृत्त के मन्त्रिव द्वारा भेजने के नीम दिन के भीतर बैठक में परिषद् द्वारा लिए गए निर्णय के मर्याद में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो ऐसे निर्णय यदि आवश्यक हो, दूसरी बैठक में कायेवृत्त की पुष्टि के पश्चात नागू की जा सकती है।

आगे यह भी प्रावधान है कि अध्यक्ष यह निवेश दे सकते हैं कि उपर्युक्त ३० दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात परिषद् के निर्णय पर कार्रवाई की जाए।

३२. परिषद् के कायेवृत्त को पुष्टि के बाद व्यापारी व्यवसाय हो, खोट में दैवार, किया जाए तथा खांड में लगाने के लिए उस पर पृष्ठ से दिया जाएगा, जिसे स्थायी तौर पर रखा जाएगा। इस खांड की एक प्रति परिषद् के प्रत्येक सदस्य को निषुल्क भेजी जाएगी, और ऐसी प्रतियां परिषद् द्वारा निर्धारित मूल्य पर जनता को देनी जाएँ।

३३. परिषद् के सदस्यों के विचार के लिए ठीक रुग में, जहां तक सम्भव हो सके, परिषद् की बैठकों में किए जेक्षणों तथा की गई चर्चाओं की रिपोर्ट रखी जाएगी।

बैठक की विस्तृत कायेवाही, जिसे "गोपनीय" माना जाएगा, कायेवाही में रखी जाएगी तथा सदस्यों के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। कायेवाही की पूरी विवियों अधिकारी प्रति किसी भी सदस्य को, जो अवैदेन करता है, दी जाएगी। ऐसी प्रति गोपनीय द्वारा अध्यक्ष द्वारा निर्धारित शुल्क के भुगतान पर दी जाएगी तथा ऐसा शुल्क नकल करने की लागत में अधिक नहीं होगा। कैमरा में रखी गई कायेवाही की प्रति नहीं दी जाएगी, परन्तु ऐसी प्रति का सदस्यों द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है।

भाग- 4

## अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की जिकितारी और कर्तव्य

३४(1) अध्यक्ष ऐसी गमितियों का प्रयोग करेगा तथा ऐसे कर्तव्यों का निष्पादन करेगा जो अधिनियम के उपलब्धों, विनियमों तथा परिषद् के स्थायी अधिकारों में निहित हों। वह ऐसे कार्य करेगा जो वह उद्देश्यों, जिसके लिए परिषद् की स्थापना की गई है, की जारी रखने के लिए आवश्यक यमस्ते।

(2) नात्कालिकता के मामले में, अध्यक्ष अध्यक्ष कार्रवाई कर सकता है तथा तथ्य की सूचना कायेकारी समिति को दे सकता है और परिषद् द्वारा, बगते कि नीतिगत मामले, जिसमें मंजूर लिए गए बजट से १०,०००

रुपये में अधिक का अध्यक्ष शामिल है, अनुमोदन की प्रस्ताव में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

३५. यदि अध्यक्ष का नद रिक्त है या यदि अध्यक्ष किसी कारण से शक्तियों का प्रयोग करते में या पद के कर्तव्यों के निष्पादन में ग्रस्तमर्याद है, तो उपाध्यक्ष उसके स्थान पर काम करेगा तथा अध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग करेगा तथा उसके कर्तव्यों का निष्पादन करेगा।

भाग- 5

## प्रश्नागत तथा आकस्मिक शक्तियों को भरना

३६. कोई सदस्य भी परिषद् की सीट से स्थानावृत देना चाहता है, अपना स्थानपत्र विभिन्न में अध्यक्षों को देगा तथा उसका स्थानावृत अवैदेन द्वारा स्थीरकृत करने को नियम में या प्राप्त होने के ९० दिन की समाप्ति के, जो भी पहले हो, संकेत सदस्य से पुष्टि के शाद प्रभावी होगा।

३७. यदि किसी सदस्य की भर्त्य, या सदस्यता की समाप्ति स्थानावृत के कारण आकस्मिक रिक्त होती है, अध्यक्ष केवल सरकार को आवश्यक कायेवाही के लिए नात्काल रिपोर्ट देगा जैसा कि अधिनियम की धारा ६ में दिया है।

भाग - 6

## कायेकारी समिति-काये, बैठक आदि

३८. कायेकारी समिति के नी सबन्ध प्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव समेत होंगे जो कि असान्मार परिषद् के प्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष और भविव भी होंगे।

३९. कायेकारी समिति की बैठक मामान्यता परिषद् की बैठक के लिए नागू उपतिष्ठते से अधिनायित होती।

४०. यदि कायेकारी समिति के लिए नियम समय पर कोरम पूरा नहीं होता, बैठक तब तक की जाएगी और उसके लिए नियम समय से एक घंटे की समाप्ति तक नहा किसी बैठक के दौरान कोरम पूरा नहीं होता, तो बैठक उस आपासों तारीख और समय तक स्थगित मानी जाएगी, जब तक अध्यक्ष कोरम पूरा करने के लिए कायेकारी समिति के कुल सदस्यों के १/३ सदस्य की नियुक्ति नहीं करता।

४१. अध्यक्ष जब उपस्थित होते हैं फाय समिति को सभी बैठकों की अध्यक्षता करने और उनकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष। यदि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों हैं, अनुपस्थित होते हैं तो उपस्थित सदस्य अपने में से किसी एक उपस्थित गदस्य को इस बैठक की अध्यक्षता के लिए चुनेंगे।

४२. जब कोरम के प्रभाव में कायेकार, समिति की बैठक न्यूनित फरवरी जाती है स्थगित बैठक के लिए किसी कोरम की आवश्यकता नहीं होगी।

४३. (1) कायेकारी समिति के निर्वाचित सदस्य का पदार्थी उसके निर्वाचित होनी की सारीख से २-१/२ वर्ष या कायेकारी समिति के चुनाव के अन्ती कायेकारी समिति पदवहन करने वाले जो भी बाव में हो, उसकी होगी।

इसमें किसी अन्य बाव के होने होगे भी परिषद् का समाप्त करने के कारण पर ध्यान दिए जाना, परिषद् जो समिति निर्वाचित करता है, की समाप्ति के माथ हो कायेकारी समिति काम करना बन्द कर देगी।

(2) कायेकारी समिति के सदस्य तुलने निर्वाचित होने के पात्र होंगे।

४४. कायेकारी समिति ऐसे परिषद् के ऐसे सदस्य, जो कायेकारी समिति के सदस्य नहीं हैं, बैठक में भाग लेने के लिए आमतित कर सकती है। इस तरह से आमतित सदस्य कायेकारी समिति की चर्चा में भाग लेने के लिए स्वतंत्र होगा किन्तु उसे खोट देने का अधिकार नहीं होगा।

45. परिषद की बैठक से एक सप्ताह हहले, कार्यकारी समिति मूलतः उसी स्थान पर एक्स्ट्रा होमी जहां परिषद की बैठक होती है। कार्यकारी समिति को अन्य बैठक उसी समय और स्थान पर ही सकती है जो अध्यक्ष निर्वाचित करे। कार्यकारी समिति की ऐसी बैठक को सूचना और कार्यसूची भागान्वयन द्वारा बैठक के कम से कम बारह दिन पहले दी जाती।

46. कार्यकारी समिति निरीक्षक/दौरा करने वाले प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तुत अध्ययन पाठ्यक्रम, अध्ययन और परीक्षा की सुविधाओं पर विचार करेंगी तथा परिषद के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए उपर शिरोटी देयांग करेंगा।

47. कार्यकारी समिति परिषद के निर्णयों के कायांवल्यन में परिषद की समस्त शक्तियों का प्रयोग करेंगी तथा उसके पास अन्य समितियों के वायरे में आने वाली शक्तियों को छोड़कर, मसी मामलों में परिषद की ओर से निर्णय लेने की शक्ति होती। यह परिषद के प्रशासनिक प्रकार के मसी कार्यों का निष्पादन करेंगी।

बाशने कि यह नीति परिषद के मंजूर किए गए ब्रजट प्रावधान से 25000/- रु. प्रति वर्ष से अधिक के व्यय वाले मामले में लागू नहीं होगा जोकि प्रशासनिक दूष्ट कहोंगे।

48. कार्यकारी समिति की प्रत्येक बैठक के कार्यवृत्त की प्रति बैठक के पन्द्रह दिन के भीतर अध्यक्ष को प्रस्तुत की जाएगी तथा उनके द्वारा अधिप्रमाणन किए जाने के बाद बैठक के 20 दिन के भीतर कार्यकारी समिति के प्रत्येक सदस्य को भेजी जाएगी।

यदि उनके प्रेषण के 15 दिन के भीतर उनकी शुद्धता के बारे में कोई प्राप्ति नहीं होती, तो उसमें लिया गया निर्णय लागू किया जाएगा। कार्यकारी समिति द्वारा पुष्ट किए जाने के बाद कार्यवृत्त परिषद के सदस्यों के पास भेजे जाएंगे।

बाशने कि अध्यक्ष यह निवेश वे सकता है कि उक्त विनियिटों पर जो तोकालिक आवश्यकता के हों पर 15 दिन की अवधि की समाप्ति के पहले कार्यकारी समिति के निर्णय पर कार्रवाई की जाएगी।

#### भाग 7

##### समितियां

49. (1) परिषद किसी भी समय इस आशय के प्रस्ताव को स्वीकार करने पर निम्नलिखित में से किसी एक या सभी समितियों का गठन कर सकती है :

- (क) शिक्षा समिति
- (ख) विनियम समिति
- (ग) वित्त समिति
- (घ) रजिस्ट्रेशन समिति
- (ङ) सम्पर्क समिति

(2) प्रत्येक समिति की शक्तियां एवं कार्य तथा इसके सदस्यों की स्वामिति के गठन के समय पर निर्वाचित किए जाएंगे और जब तक कि परिषद अध्ययन विनियिट करे, प्रत्येक समिति के पास निर्णय लेने के लिए इसे मुद्रु कार्य के क्षेत्र के तहत पूर्ण शक्तियां होंगी।

बाशने कि निम्नलिखित मामले में इसके निर्णय परिषद के मणिधन के अधीन होंगे :—

- (i) जहां कोई नीतिगत मामला शामिल हो।
- (ii) जहां समिति के निर्णय में मंजूर किए गए ब्रजट से 1,000 रुपये से अधिक किसी मद पर व्यय शामिल हो; और
- (iii) जहां अधिनियम के उपबंधों, परिषद के विनियम तथा स्थायी अधिकारों के अनुसार परिषद के अधिय आवश्यक हो।

(3) प्रत्येक इन समितियों के अध्यक्षों का नियुक्त समिति के संबद्ध सदस्यों द्वारा किया जायेगा।

(4) यदि समिति के गठन के लिये कोई प्रस्ताव प्रपनाया जाता है तो प्रस्ताविक समिति के सदस्यों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले अध्यक्षों के नामोंका प्रस्ताव करेगा और इसके बाद कोई भी सदस्य अन्य अधिकारियों के नामों को जामिल करने के संबंध में संयोग्यन प्रस्ताव रख सकता है।

(5) यदि समिति के सदस्यों के रूप में प्रस्तावित किये गए सदस्यों की मध्या समिति के गठन के लिये अधिकारित सदस्यों की कुल संख्या से अधिक नहीं होती है तो इस प्रकार प्रस्तावित किये गये सदस्य समिति के सदस्यों के रूप में नियुक्त किये जायेंगे। यदि इस प्रकार प्रस्तावित किये गये सदस्यों की संख्या समिति के गठन के लिये अधिकारित सदस्यों की कुल संख्या से अधिक होती है तो सदाचान निया जायेगा और अधिकारित संडा में उन सदस्यों की नियुक्ति की जायेगी जिन्हें सबसे अधिक मत प्राप्त होंगे।

50. (1) परिषद, किसी अन्य समिति को नियुक्त करने के अधिकार ये किसी प्रस्ताव को पारित करके किसी भी समय कोई अन्य समिति नियुक्त कर सकती है।

(2) समिति की नियुक्ति के प्रस्ताव में आमंत्रित करावाँ और मार्किनों और मध्यमिति के सदस्यों की संख्या का उल्लेख होगा।

(3) कोई भी सदस्य बिना किसी पूर्व सूचना के किसी ऐसे प्रस्ताव में, जिसमें समिति के कार्यों और शक्तियों के अधिकार समिति के सदस्यों को कम या अधिक बिना की बात कही गयी हो, तो मंगोवन करने का प्रस्ताव रख सकता है।

51. (1) भाग 1 में दिये गये अधिनियमों के अनुसार समिति की कार्रवाई चलाई जायेगी वर्गों कि इस प्रकार के अधिनियम अध्ययन के विवेकानुसार किसी भी समय शिखिलीय हों।

(2) परिषद द्वारा नियुक्त की गई समिति के अधिकार से अधिकारित सचिव या अध्यक्ष द्वारा नियार की नपी रिपोर्ट में अध्यक्ष के विवेकानुसार स्थान दिया जायगा और जब यह प्रस्ताव, असहमति के किसी भी औरे के माय समिति के सदस्यों के द्वारा अर्थात् से युक्त हो तो इसे परिषद की अग्रनी बैठक में प्रस्तुत किया जायगा यह बात, पूर्व सूचना (नोटिस) के बारे में अधिनियमों के उपर्योगों के शर्ताधीन होगी।

52. (1) प्रत्येक समिति में सदस्यों की संख्या सात से अधिक नहीं होगी।

(2) परिषद का कोई भी सदस्य वो से अधिक समितियों के लिये नहीं चुना जायेगा अथवा नियुक्त किया जायेगा।

(3) अध्यक्ष की सहमति से किसी भी समिति का अध्यक्ष परिषद के किसी एक सदस्य को जो उस विषेष समिति का सदस्य न हो समिति की किसी बैठक में आग लेने के लिये आमंत्रित कर सकता है। इस प्रकार आमंत्रित किया गया अविक्षित समिति के विचार-विवरणों में आग ले सकता है लेकिन उस बोट देने का अधिकार नहीं होगा।

बाशने कि जहां वित्तीय व्यवस्था व्यवस्था भागिल नहीं है वहां अध्यक्ष की सहमति से समिति का अध्यक्ष वित्तीय व्यवस्था भागिल नहीं हो सकता है लेकिन इस प्रकार से आमंत्रित किये गये सदस्य समिति के विचार-विवरणों में आग लेने के लिए स्वतंत्र है लेकिन उन्हें बोट देने का अधिकार नहीं होगा।

#### भाग 8

परिषद के सचिव और अन्य प्राधिकारियों तथा कमेन्टारियों की कायांप्रय अधिव तथा शक्तियों और कर्तव्य

53. सचिव की पवारिति नियुक्ति के समय परिषद द्वारा निर्वाचित की जायेगी। 58 वर्ष की आयु होने पर वह सेवा नियुक्त हो जायेगा, यद्यते कि परिषद द्वारा उसके लिए कोई अन्य सेवा नियुक्त की आयु निर्धारित न की गयी हो।

उसकी 58 वर्ष की आयु होने पर उसके सेवाकाल में वृद्धि की जाकी है पर इस प्रकार की वृद्धि कुप मिलाकर वो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

३.४. (१) मध्यिव, परिषद् का कार्यकारी अधिकारी होगा।

(2) वह इस प्रकार के कार्य करेगा जो उसे प्रथितिगम और विनियमों द्वारा सीधे गये हों। वह प्रध्यक्ष द्वारा सौंपे गये कार्यों को भी करेगा। वह परिषद् की समाजिकी मुरक्का, कार्यालय के नियन्त्रण और प्रबंध और लेखांशुओं पर व्यवहार में वैध कार्यों के लिये भी उत्तरदायी होगा।

वह इस ब्राह्म का भी धर्म रखते हैं कि कार्यवाह के कार्यवाहो ममय से प्रायः जित्य पढ़ने वे अपना कार्य करें। वह साधारणतया उन सभी कर्त्तव्यों का वहन करेगा जो परिगद्, आधिनियम के उद्देश्यों के लिये उसमें अपेक्षा करती है। वह परिषद् कार्यवाही समिति और अन्य समितियों की दैश्यों में मार्ग लेगा और वैद्यकों की कार्यवाही की टिप्पणी करेगा।

55 गणित, परिवहन के किमी मदरस्य को पढ़ावधि समाप्त होने के 90 दिन में पूर्ण ही इस कारण रिक्त होने वाले पथ के बारे में अध्ययन का ध्यान आकृष्ट करेगा और अध्ययन नकाश केंद्रीय मंत्रकार की इस बागी की सुवित्ता देगा ताकि पद के रिक्त होने को नाराज़ से पद की भरने के लिये किसी नये मदरस्य को नामांकित किया जा सके अत्रिया छुना जा गए।

अमरा

५६. ग्रन्तिसंचयीय और कर्म "ष" के कर्मकारी ५४ धर्य को प्रायः प्राप्त होने पर सेवा से निवार ही जायेंगे।

परिषद्, अपरे शिवेतानुसार अनन्तसमिक्षीय अथवा तित्रले वर्ण के किसी सो कर्मचारी की अवधि आहा मात्राती है लेकिन यह ब्राह्मणी १ वर्ष में प्रधिक नहीं होगी।

57. कर्त्तव्यादियों के बे कर्त्तव्य और उत्तराधिक होंगे जो परिषद् के उद्देश्यों के लिये बनाये गये स्थानी आदेशों में समय-समय पर संतारा किये गये हों।

५८. कार्यकारी समाज की मंजूरी की पूर्ति के लक्षण सचिव लिपिकी और और वांग "व्ह" स्टाफ की नियुक्ति करेगा और इस प्रकार के अस्थायों कर्मचारियों को नियुक्ति करेगा, जिनको समय-समय पर श्रावशक्तना हो और इस प्रकार नियुक्ति किये गये अस्थायी कर्मचारियों को उत्तित दर पर पारिश्रमिक देखा, अर्थात् कि यह पारिश्रमिक वर केन्द्रीय सरकार द्वारा इसी प्रकार के कार्यों को करने के लिये नियुक्त किये गये स्थायी स्टाफ के लिये रईकृत की गयी वर से अधिक न हो। ये नियुक्तियाँ, परिसद इन प्रकार की नियुक्तियों को मंजूर किये जाने को शर्त के प्रधीन की जायेंगी।

भाग ९

### ਮੰਗਲ ਕਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਤ ਅਤੇ ਨੇਤ੍ਰਾ

59 परिषद् के नियंत्रण के अधीन रहते हुए कार्यकारी समिति को परिषद् की संपत्ति को बाबत पैसे सभी कार्य और कृत्य जो परिषद् के प्रयोजन के आवश्यक समीक्षा हों और उसमें से धन व्यय करने की पूर्ण शक्ति और प्रधिकारण होगा और विशिष्ट रूप से इस उपबंध की व्यापकता पर प्रतिकृत प्रभाव डाले जिन कार्यकारी समिति को यह एकत्र होगी कि यह

- (क) परिषद की संपत्ति को बेख़ाल करें और, प्रयोग का पर्यवेक्षण करें भगवान् देव उद्देश्य के लिए अधिकार धन द्याय करें;

(ख) सभी धर्म भाष्टकों, करों, भेनों या अन्य देश रकमों का सुनान लें;

(ग) दात, अब, चिनियाँ, पट्टे द्वारा दो यह संपत्ति प्राप्त करें तथा परिषद की किसी भी भूमि, भवन और अन्य वस्तु व प्रधान संपत्ति की विकीर्ण करें उसे बंधक रखें अथवा किसी अन्य प्रकार से निपटान करें।

(घ) भवन बनाएं, उसका निर्माण करें इसका रख-रखाव करें उसे पिराएं, उसमें परिवासन, विस्तार, सुधार करें उसको मरम्मत करें; और

(क) अपने कोई गणित अध्ययन, उपाध्ययन, मरमिली के किसी प्राप्ति-  
कारा या अधिकारा को प्राप्तीजित करें।

परिषद् को किसी भी जल प्रबन्ध अवल मंपाल के संघर में को गया किसी भी कार्डवाई के बारे में पूरे सुनता परिषद् को अचली बैठक में प्रस्तुत करें।

क्षमता की द्वारा (ग) और (घ) में उल्लिखित अवश्यक सम्पत्ति जिम्मा  
मृद्यु वो हजार रुपये से अधिक हों, तो उसका विक्रम नहीं दिया जाएगा।

(६) परिषद् को, अपने व्ययों के लिए केन्द्रीय मरकार को पूर्य अनुमति से गैर-मरकारी व्यवितरणों और निकायों में दात और अणवान प्राप्त करने के लिए और रिपोर्टों और अपने प्रकाशनों को विश्री में आप प्राप्त करने के लिए, प्राधिकृत किया जाता है।

६१. रेटेट वैक आफ हंडिया की स्थानीय गांधी परिषद् ने लिए वैकर्न का कार्य करेगा। परिषद् की सभी घनत्वात्मि हम वैक में परिषद् के लिए में जमा की जायेगी और यह अनुरागि, अव्यवह और उमसों अनुपस्थिति में उत्तराधिक और सचिव के सम्मुख हस्ताक्षरों आगे बैठों के साथसम से लिकार्या जायेगी। वैक बृक्ष, मनन्त्र की निजी सुरक्षा में रहेगी।

६३ परिपद को धनरीण, को जो मौजूदा आवधकनाओं के शकाक्षा  
मेंष वचनी हो, सचिव को मिलारियों के अनुमार और विच समिति की  
मंजूरी से निम्नलिखित सरीके से तिबेझित किया जा सकता है:-

- (1) किसी राज्य मरकार अध्यवा केन्द्रीय भारतार के वक्तव्यदारों, स्टाफ और अन्य प्रतिष्ठितियों में।
  - (2) उन कंपनियों के स्टाफ अथवा इण्डोनेशियन अध्यवा शेयरों में जहाँ व्याज के बारे में सात मरकार द्वारा बारटो दी जा रही हो। और
  - (3) अधिनियम की शक्तियों के गहन अध्यवा किसी निगम, निकाय, पोर्ट हॉल अथवा गहर मुद्रार न्याय को और से जारी किये गये इण्डोनेशियन अध्यवा घन का रिहाई अन्य प्रतिष्ठितियों में।

65. परिषद् की घनस्थितियों का निवेश परिषद् के नाम से किया जान। प्रतिष्ठितियों की मुरक्का करने सचिव का निजी कारियत होगा और जान, वित्तियम् 7। के बहुत बनाए गये प्रतिष्ठितियों के रजिस्टर की तरफ से ३ महीने में एक-बार को जायेगी और सचिव द्वारा रजिस्टर की ओर का एक प्रमाणन्त्र दर्ज किया जाएगा और इस पर अध्यवा के

प्रति हमाकार होंगे।

६४. वित्तीय समिति प्रगते वित्तीय कर्ता के सिंह प्राणियों और अथवा व्यापारियों द्वारा कार्यकारी समिति की स्थीरता के लिए उनको इस प्रकार के ध्यान में रखिवेश में, प्रस्तुत करेगा जिसमें इस प्रयोजन के लिए प्रत्येक धर्षण नवंबर के प्रथम सप्ताह में किया जाने वाले हैं; भंज्या किए गए प्राक्कलन की एक प्रति परिपद को और दूसरी प्रसिद्धि-लिपि सचिव पश्चात्यन एवं द्वेषीय विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार को देखी जाएगी।

६५. परिषद् की विधि का विनियोगन किसी ऐसी मद पर व्यवहार नहीं किया जाएगा। जिसके सिंग कि मामलेनुसार, परिषद् प्रथमा प्रश्नका प्रथमा प्रश्नका प्रतिकूल समझका रूप से मजरी न दी हो।

६६. "भविकारियों का वेतन" स्थापना का वेतन, "मने और मान-देव, "शाकस्त्रिक खच" और अबकांग व पैशल प्रथा, मधिय निषिद्ध अवलन वित्तीयोंने के प्राचीनिक एक होंगे।

67. प्रध्यक्ष को शुल स्वीकृत अनुमतियों के स्रोतों पर विनियोजन प्रक्रिया से दूसरे विनियोजन प्रक्रियाओं के पुनर्विनियोजन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इस प्रकार के पुनर्विनियोजन मंजूर करने के आदेशों की प्रतियां, कार्यालयी परिषद् को भेजी जायेगी।

६४. यत्किंव को किमी प्रकीर्ण और आकस्मिक प्रकृति के कार्यों से नियन्त्रण प्रश्नेक मामले में अधिक से अधिक 500 रुपये तक के दबद्ध को भूजूर ज़रूर ज़रूरतों की व्यवस्था प्राप्त होनी।

60. मक्की का 300 रुपये का व्यापी प्रधिम किया जाएगा।

70. गविन्स परिषद् के सदस्यों, निरेक्षकों, परिवर्णकों और अन्य कमेंटरियों की सदृशा, विभाग तथा अन्य सत्रों का प्रभागकर्ता अधिकारी होगा और संचित की इन वारों के लिए अध्यक्ष प्रभागकर्ता होगा।

71. परिषद् के द्वारा निम्नलिखित रजिस्टर यह जाएगा—

- (1) गोकुड़ बड़ी
- (2) शर्पिंग मार
- (3) प्रतिसूत रजिस्टर
  - (1) नाम और फर्मीवर का रजिस्टर
  - (2) चैक बक स्टार्क रजिस्टर
  - (3) छट्टी और पैंगन-बंगदात रजिस्टर
  - (4) द्वाका प्रधिम रजिस्टर
  - (5) बांदिक नेत्रा
  - (6) कोई अन्य लेखा रजिस्टर

72. वित्तिव्यवस्था के प्राथमिक इकाईयों के अनुसार वर्गीकृत मार के स्पष्ट मामिक लेल तैयार किया जायेगा। समूचित गोण इकाईयां पंजीकार के विधिकानुमार स्तरों जा सकेंगी और संचित नमी लेखाओं को सम्पर्क घण्ट में तैयार करने तथा यन्हाँ रखने के लिए उत्तरवायी होगा।

73. (1) परिषद् के लेखाओं का लेखा परोक्षा प्रति वर्ष भारत के नियंत्रक महानेत्राकार और उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि द्वाग यही जाएगी। इस संबंध में जो व्यक्ति उनके द्वाग नियुक्त प्रतिनिधि लेखा परोक्षा के संबंध में करेगा वो परिषद् द्वाग देय होगा।

(2) परिषद् के लेखाओं की परीक्षा के संबंध में भारत नियंत्रक-महानेत्रा परीक्षक के तथा उसके द्वाग नियंत्रक व्यक्तिके, ऐसो लेखा-परोक्षा के संबंध में वे ही अधिकारी और विणेपाथकार तथा प्रधिकार होंगे जो नियंत्रक महानेत्रापरीक्षक के भरकारी लेखाओं की परीक्षा के संबंध में होने हैं और विणिष्टक, उसे बहिर्या, लेखा, संबद्ध आउचर तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों और कागजात देणे जाने की मांग करने का अधिकार होगा।

(3) लेखा-परीक्षक परिषद् को लेखा-परोक्षा का परिणाम संसूचित करेगा और उस पर कार्यकारिणी समिति द्वाग विचार कर लिए जाने के पश्चात् लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट और परीक्षित लेखाओं का विवरण भारत सरकार के कृपि संकालय पशुपालन एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भेजा जाएगा। उसी समय लेखा-परोक्षा की रिपोर्ट परिषद् के सभी सदस्यों की जानकारी के लिए, उनके द्वारा, परिषाकृत को जाएगी।

परम्परा अनुसार लेखाओं के अमावस्या तक अनुसात का विदा जाना सुख जाना है तो अध्यक्ष लेखा-परीक्षक से परीक्षित लेखा प्राप्त होने की उन्हें बहाल के द्वारा सरकार को भेजेगा।

[म. 4-1/90वीसी आई]

प्रो. (डा.) रामाकुमार बी. परिषद्

India with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Veterinary Council of India (General) Regulations, 1991.

(2) They shall come into force with immediate effect.

2. In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Act' means the Indian Veterinary Council Act, 1984 (52 of 1984),
- (b) 'Council' means the Veterinary Council of India constituted under the Act;
- (c) 'Employees of the Council' means persons appointed under sub-section (1) of section 11 of the Act to carry out the purposes of the Act;
- (d) 'Executive Committee' or 'Committee' means the Executive Committee or Committee constituted under sub-section (1) of section 12 of the Act;
- (e) 'Group D staff' includes the Daftries, Jamadars, Peons, Chowkidars and Sweepers appointed under sub-section (1) of section 11 of the Act;
- (f) 'Inspector' means a veterinary inspector appointed under sub-section (1) of section 19 of the Act;
- (g) 'Member' means a member elected or nominated under section 5 of the Act;
- (h) 'Ministerial Staff' means Superintendent, Head Clerk, Accountant, Accounts Assistant, Cashier, Receptionist, Computer Operator, Clerks, Stenographers Typists, Gestetner Operator, Staff Car Driver appointed under sub-section (1) of section 11 of the Act;
- (i) 'President' means the President of the Veterinary Council of India elected under sub-section (4) of section 3 of the Act;
- (j) 'Vice-President' means the Vice-President of the Council elected under sub-section (4) of section 3 of the Act;
- (k) 'Secretary' means the Secretary of the Council appointed under sub-section (1) of section 11 of the Act;
- (l) 'Visitor' means a visitor appointed under sub-section (1) of section 20 of the Act;
- (m) Words and expressions used in these regulations and not separately defined shall have the same meaning as in the Act.

## VETERINARY COUNCIL OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th November, 1991

G.S.R. 694(E).—In exercise of the powers conferred by section 66 of Indian Veterinary Council Act, 1984 (52 of 1984), the Veterinary Council of

3. The Office of the Council shall be situated in Delhi/New Delhi.

### Part I

#### Part I to Part IX

#### TIME, PLACE OF AND PREPARATION OF BUSINESS AT MEETINGS OF THE COUNCIL

4. (1) Meetings of the Council shall ordinarily be held at Delhi or at such other places and on such dates and time as may be specified by the Council :

Provided that the President may call a special meeting at any time on 15 days' notice;

- (i) to deal with any urgent matter requiring the attention of the Council;
- (ii) for a purpose specified in the proviso to sub-clause (b) of clause (1) of regulation 8; and
- (iii) on a requisition signed by not less than fifty percent of the total members of the Council for a purpose which is within the scope of the Council's functions, not being a purpose specified in sub-clause (ii).

(2) The first meeting of the Council held in any financial year shall be the Annual Meeting of the Council for that year.

5. At meetings specified in the proviso to clause (1) of regulation 4, only the subject or subjects for the consideration of which the meeting has been called shall be discussed.

#### NOTICE OF MEETINGS

6. (1) Notice of every meeting other than a special meeting called under the proviso to clause (1) of regulation 4 or under the first proviso to sub-clause (b) of clause (1) of regulation 8 shall be despatched by the Secretary to each member of the Council not less than thirty days before the date of the meeting.

(2) Notice of every meeting of the Council shall be despatched under certificate of posting and non-receipt of any notice shall not however, invalidate the proceedings of any meeting.

#### AGENDA PAPERS

7. (1) The Secretary shall issue with the notice of the meeting a preliminary agenda paper specifying the business to be brought before the meeting, the terms of all motions to be moved of which notice in writing has previously reached him and the names of the movers.

(2) A member who wishes to move any motion not included in the preliminary agenda paper or an amendment to any item so included shall give notice thereof to the Secretary not less than fifteen clear days before the date fixed for the meeting.

(3) The Secretary shall, not less than fifteen clear days before the date fixed for the meeting and in the case of a special meeting with the notice of the meeting issue a complete agenda paper specifying business to be brought before the meeting.

(4) A member who wishes to move an amendment to any item included in the complete agenda paper, but not included in the preliminary agenda paper, shall give notice thereof to the Secretary not less than three clear days before the date fixed for the meeting.

(5) The Secretary shall, if time permits, cause a list of all amendments of which notice has been given under clause (4) to be made available for the use of every member :

Provided that nothing in this regulation shall prevent under special circumstances the reference by the Executive Committee of any matter to the Council at a meeting following immediately or soon after the meeting of the Executive Committee to permit the notice required under this regulation.

#### ADMISSION OF MOTION

8. (1) The President shall disallow any motion,—

- (a) if the matter to which it relates is not within the scope of the Council's functions;
- (b) if it raises substantially the same question as a motion or amendment which has been moved or withdrawn with the leave of the Council, within one year of the date of the meeting at which it is to be moved :

Provided that such a motion may be admitted at a special meeting of the Council convened for the purpose on the requisition of not less than two thirds of the members of the Council :

Provided further that nothing in these regulations shall prohibit the further discussion of any matter referred to the Council by the Central Government in the exercise of any of its functions under the Act;

- (c) unless it raises substantially one definite issue;
- (d) if it contains arguments, inferences, ironical expressions, imputations or defamatory statements:

Provided that if a motion can be rendered admissible by amendment, the President may in lieu of disallowing the motion admit it in an amended form

(2) When the President disallows or amends a motion the Secretary shall inform the member who gave the notice of the motion of the order of disallowance or, as the case may be, of the form in which the motion has been admitted.

**PART II****CONDUCT OF BUSINESS AT MEETINGS OF THE COUNCIL**

9. (1) Every meeting of the Council shall be presided over by the President, if he is absent, by the Vice-President or if both the President and the Vice-President are absent, by a member to be elected by the members present from amongst themselves.

(2) All references in this part to the President shall be read as referring to the person for the time being presiding over a meeting.

10. The quorum necessary for transaction of business at a meeting of the Council shall be Nine. If, at the time appointed for a meeting, the quorum is not present, and if the quorum is not present, on the expiration of thirty minutes from the time appointed for the meeting or during the course of any meeting, the meeting shall stand adjourned to such future time and date as the President may appoint.

11. (1) Every matter to be determined by the Council shall be moved by a member and put to the Council by the President and shall be decided by a majority of the members present and voting.

(2) Votes shall be taken by show of hands or by division or by ballot, as the President may direct:

Provided that votes shall be taken by ballot, if three members so desire and ask for it :

Provided further that, if voting has been by show of hands, a decision shall be taken, if at least one member asks for it.

(3) The President shall determine the method of taking votes by division.

(4) The result of the vote shall be announced by the President which shall be final.

(5) In the event of an equality of votes the President shall have a casting vote.

12. When motions identical in purport stand in the names of two or more members, the President shall decide whose motion shall be moved and the other motion or motions shall thereupon be deemed to have been withdrawn.

13. (1) Every motion or amendment shall be seconded and if not seconded shall be deemed to have been withdrawn.

(2) When a motion has been seconded, it shall be stated by the President.

(3) When a motion has been thus stated, it may be discussed as a question to be resolved either in the affirmative or in the negative, or any member may subject to regulations 14 and 15, move an amendment to the motion;

Provided that the President shall not allow an amendment to be moved which, if it has been a substantive motion, would have been inadmissible under regulation 5.

14. (1) An amendment must be relevant to and within the scope of the motion to which it is proposed.

(2) An amendment may not be moved which has merely the effect of a negative vote.

(3) The President may refuse to put to the Council an amendment which in his opinion is frivolous.

15. A motion may be amended by—

(a) the omission, insertion or addition of word or words;

(b) the substitution of words for any of the original words.

16. (1) When a motion or amendment is under debate, no proposal with reference thereto shall be made other than,—

(a) an amendment of the motion or of the amendment, as the case may be, as proposed in regulation 13;

(b) a motion for the adjournment of the debate on the motion or amendment either to a specified date and hour or sine die;

(c) a motion for the closure, namely, a motion that the question be now put;

(d) a motion that the Council instead of proceeding to deal with the motion do pass to the next item on the programme of business :

Provided that no such motion or amendment shall be moved so as to interrupt a speech :

Provided further that no motion of the nature specified in sub-clauses (b), (c) and (d), shall be moved or seconded by a member who has already spoken on the question at the meeting:

Provided that no such motion or amendment shall be moved without a speech.

(2) It shall be in the discretion of the President to put or refuse to put to the Council a proposal of the nature specified in sub-clause (b) of clause (1).

(3) Unless the President is of the opinion that a motion for closure is an abuse of the right of reasonable debate he shall forthwith put a motion that the question be now put and if that motion is carried the substantive motion or amendment under debate shall be put forthwith:

Provided that the President may allow the mover of the substantive motion to exercise his right of reply before the substantive motion under debate is put.

17. A motion or an amendment which has been moved and seconded shall not be withdrawn save with the leave of the Council which shall not be deemed to be granted, if any member dissents from the granting of leave.

18. When a motion has been moved and seconded, members other than the mover and the seconder may speak on the motion in such order as the President may direct :

Provided that the seconder of a motion or of an amendment may, with the permission of the President, confine himself to seconding the motion or amendment, as the case may be, and speak thereon at any subsequent stage of the debate.

19. During the meeting, the President may, at any time make any objections or suggestions or give information to elucidate any point to help the members in the discussion.

20. (1) The mover of an original motion, and if permitted by the President, the mover of any amendment, shall be entitled to a right of final reply; no other member shall speak more than once to any debate except with permission of the President, for the purpose of making a personal explanation or of putting a question to the member than addressing the Council:

Provided that any member at any stage of the debate may rise to a point of order, but no speech shall be allowed on that point :

Provided further that a member who has spoken on a motion may speak again on the amendment subsequently moved to the motion.

(2) No member shall, save with the permission of the President, speak for more than five minutes.

Provided that the mover of a motion when moving the same may speak for not more than ten minutes.

(3) A speech shall be strictly confined to the subject matter of the motion or amendment on which it is made.

(4) Any motion or amendment standing in the name of a member who is absent from the meeting or unwilling to move it, may be brought forward by another member with the permission of the President.

21. (1) A member desiring to make any observation on the matter before the Council, shall rise in his place and address the President.

(2) If at any time the President rises to speak any member speaking shall immediately resume his seat.

22. No member shall be heard at a meeting except upon the business before the Council.

23. (1) When an amendment to any motion is moved and seconded or when two or more such amendments are moved and seconded, the President shall, before taking the sense of the Council thereon, state or read to the Council the terms of the original motion and of the amendment or amendments proposed.

(2) An amendment to a motion shall be put to the vote first.

(3) If there be more than one amendment to a motion the President shall decide in what order they shall be taken.

24. When any motion involving several points has been discussed, it shall be in the discretion of the President to divide the motion and put each or any point separately to the vote as he may think fit.

25. (1) The President may, if he deems necessary due to exigencies, at any time, adjourn any meeting to any future day or to any hour of the same day and state the reasons therefor.

(2) Whenever, a meeting is adjourned to a future day, the Secretary shall, send notice of the adjournment to every member who was not present at such meeting.

(3) When a meeting has been adjourned to a future day the President may change such day to any other day for compelling reasons and the Secretary shall send written notice of the change to each member.

(4) At a meeting adjourned to a future day any motion standing over from the previous day shall, unless the President otherwise directs, take precedence over other matters on the agenda.

(5) The President or a member may suggest a change in the order of business on the agenda, either at the beginning of the meeting or after the conclusion of the debate on a particular item during the meeting and if the Council agrees, such a change shall be made.

(6) No matter which had not been on the agenda of the original meeting shall be discussed at an adjourned meeting.

(7) The same quorum shall be necessary for an adjourned meeting as for an ordinary meeting.

26. (1) The President shall decide all points of order which may arise, and his decision shall be final.

(2) If any question arises with reference to procedure in respect of a matter for which these regulations make no provision, the President shall decide the same and his decision thereon shall be final.

(3) The President shall direct any business, which may be necessary for the Council or the Executive Committee to discuss and decide, to be transacted by circulation among the members of the Council or the Executive Committee as the case may be :

Provided that if ten members of the Council or three members of the Executive Committee, as the case may be, desire that any particular subject shall be decided at a meeting instead of by circulation, it shall be placed before a meeting of the Council or the Executive Committee.

(4) Any resolution or report which is circulated as stated above and approved by a majority of the members signing shall be binding as a resolution adopted, as if, in a meeting of the Council or the Executive Committee.

27. Four representatives of the Press at the discretion of the President, and other invitees, not exceeding four at a time, may be admitted to a meeting on production of permits from the Secretary. The representatives shall be required to obtain the previous approval

of the Secretary to the publication of their report of the proceedings. The President at any time may hold the meeting in camera in which case all invitees shall be required to withdraw.

### PART III MINUTES OF THE COUNCIL

28. The proceedings of the meetings of the Council shall be preserved in the form of printed minutes which shall be authenticated, after confirmation, by the signature of the President.

29. A copy of the minutes of each meeting shall be submitted to the President within ten days of the meeting and attested by him and they shall then be sent to each member within thirty days of the meeting.

30. The minutes of each meeting shall contain such motions and amendments as have been moved and adopted or negatived with the name of the mover and the seconder, but without any comment and without any record of observations made by any member at the meeting.

31. If any objection regarding the correctness of the minutes is received within thirty days of the despatch of the minutes by the Secretary such objection together with the minutes as recorded and attested shall be put before the next meeting of the Council for confirmation. At this meeting no question shall be raised except as to the correctness of the records of the meeting.

Provided that if no objection regarding a decision taken by the Council at a meeting is received within thirty days of the despatch by the Secretary of the minutes of that particular meeting, such decision may, if expedient, be put into effect before the confirmation of the minutes at the next meeting :

Provided further that the President may direct that action may be taken on a decision of the Council before the expiry of the period of thirty days specified above.

32. The minutes of the Council shall, as soon as is practicable after their confirmation, be made up in sheets and consecutively paged for insertion in a volume which shall be supplied free of cost each member of the Council; and such copies may be sold to the public at a price to be fixed by the Council.

33. A report shall be kept of the observations and of the discussions at the meetings of the Council in an accurate manner as far as possible for perusal by the members of the Council. The detailed proceedings of the meetings which shall be treated as 'Confidential' shall be kept in the office and shall be open to members for inspection. A copy of the proceedings in full or in part shall be supplied to any member, who may apply for it. Such copy shall be 'Confidential' and supplied on the payment of fee fixed by the President and such fee shall not exceed the cost of copying. No copy of proceedings held in camera shall be supplied out; but such proceedings can be inspected by the members.

### PART IV POWERS AND DUTIES OF THE PRESIDENT AND VICE-PRESIDENT

34. (1) The President shall exercise such powers and perform such duties as are contained in the provisions of the Act, the regulations, and standing orders of the Council. He shall do such acts as he considers necessary in furtherance of the objects for which the Council is established.

(2) In the case of urgency, the President may take the necessary action and intimate the fact to the Executive Committee and the Council provided that no such action shall be taken in anticipation of approval in matters of policy involving an expenditure exceeding Rs. 10,000 from the sanctioned budget.

35. If the office of the President is vacant or if the President for any reason is unable to exercise the powers or perform the duties of his office, the Vice-President shall act in his place and shall exercise the powers and perform the duties of the President.

### PART V RESIGNATION AND FILLING OF CASUAL VACANCIES

36. A member desiring to resign his seat on the Council shall send his resignation in writing to the President and his resignation shall take effect from the date on which it is accepted by the President or on the expiry of ninety days from the date of receipt of his letter to President, whichever is earlier, after confirmation from the member concerned.

37. When a casual vacancy by reason of death, resignation of a member or cessation of membership in accordance with section 6 of the Act, a report shall be made forthwith by the President to the Central Government for necessary action to fill up the vacancy, subject to proviso of section 7 of the Act.

### PART VI THE EXECUTIVE COMMITTEE-MEMBERSHIP, FUNCTIONS, MEETINGS ETC.

38. The Executive Committee shall have Nine members including the President, the Vice-President and the Secretary of the Council who shall act as President, Vice-President and Secretary respectively.

39. The meetings of the Executive Committee shall be generally governed by the regulations applicable to the meetings of the Council.

40. If at the time appointed for a meeting of the Executive Committee a quorum is not present the meeting shall not commence until a quorum is present, and if a quorum is not present on the expiration of an hour from the time appointed for the meeting or bring the course of any meeting, the meeting shall stand adjourned to such future date and time as the President may appoint 1/3 of the total members of the Executive Committee shall form a quorum.

41. The President, when present, shall preside every meeting of the Executive Committee and in his absence, the Vice-President. If both the President and the Vice-President are absent the members present shall elect one of the members present to preside over that meeting.

42. When a meeting of the Executive Committee is adjourned for want of quorum, no quorum shall be necessary for the adjourned meeting.

43. (1) The term of office of an elected member of the Executive Committee shall be for three years from the date of his election or till the next Executive Committee takes over after its appointment whichever is later;

Notwithstanding anything contained herein, the Executive Committee shall cease to function with the termination of the Council that appoints the Committee, irrespective of the reasons for termination of the Council.

(2) A member of the Executive Committee shall be eligible for re-appointment.

44. The Executive Committee may invite a member of the Council who is not a member of the Executive Committee to attend any meeting of the Executive Committee. Any member so invited shall be free to participate in the discussions if the Executive Committee but shall not have the right to vote.

45. Within one week before the meeting of the Council, the Executive Committee shall ordinarily meet at the same place as of the Council meeting. The other meetings of the Executive Committee may take place at such other times and places as the President may determine. Notice and agenda of such meetings of the Executive Committee shall ordinarily be given not less than 12 days before the meeting.

46. The Executive Committee shall take into consideration the reports on the course of study, facilities for reaching and examinations, submitted by inspectors|visitors and shall thereupon prepare a report for submission to the Council.

47. The Executive Committee shall exercise all the powers of the Council in the implementation of the decisions of the Council and shall have the power to take decisions on behalf of the Council in all matters except those falling in the sphere of other Committees. It shall also perform all the functions of the Council that are of administrative nature :

Provided that this shall not apply to matters of policy involving an expenditure exceeding Rs. 25,000 per annum from out of the sanctioned budget provision of the Council that are of administrative nature.

48. A copy of the minutes of each meeting of the Executive Committee shall be admitted to the President within fifteen days of the meeting, and after having been attested by him shall be sent to each member of the Executive Committee within twenty days of the meeting.

If no objection to their correctness is received within fifteen days of their despatch, any decision therein shall be given effect to. The minutes shall be sent to the members of the Council after confirmation by the Executive Committee :

Provided that the President may direct that action be taken on a decision of the Executive Committee before the expiry of the period of fifteen days specified above, in exigencies.

## PART VII

### COMMITTEES

49. (1) The Council may at any time on the adoption of a motion to this effect, constitute any or all of the following Committees, namely :—

- (a) Education Committee;
- (b) Regulations Committee;
- (c) Finance Committee;
- (d) Registration Committee; and
- (e) Liaison Committee.

(2) The powers and functions of each Committee and the number of its members shall be determined at the time of the constitution of the Committee and unless the Council otherwise specifies, each Committee shall have full power, within the sphere of the functions assigned to it, to take decisions :

Provided, however, that its decisions shall be subject to ratification by the Council in the following cases, namely:—

- (i) where matters of policy are involved;
- (ii) where the Committee's decision involves an expenditure on items exceeding Rs. 1,000 per annum from out of the sanctioned budget; and
- (iii) where according to the provisions of the Act, regulations or standing orders of the Council, orders of the Council are necessary.

(3) The Chairman of each of these Committees shall be elected by respective members of the Committee.

(4) If a motion for appointment of a Committee is adopted, the mover shall name the members to be appointed as members of the Committee and any member may then move amendments proposing the addition of other names.

(5) If the number of members proposed as members of the Committee does not exceed the total number of members to form the Committee, the members so proposed shall be appointed as members of the Committee. If the number of members so proposed exceeds the total number of members to form the Committee, ballot shall be held and the requisite number of members, who obtain the largest number of votes shall be appointed.

50. (1) The Council may at any time, on the adoption of a motion to this effect, appoint any other Committee.

(2) A motion for the appointment of a Committee shall define the functions and powers of the Committee and the number of its members.

(3) Any member may without notice move an amendment to such a motion proposing that the functions and powers or the number of its members be enlarged or reduced.

51. (1) The proceedings of the Committee shall be conducted in accordance with the regulations contained in Part I, provided that such regulations may at any time be relaxed at the discretion of the Chairman.

(2) A resolution passed by a Committee appointed by the Council shall be embodied in a report prepared by the Secretary or by the Chairman at the latter's discretion and when signed by the members of the Committee shall, with any notices of dissent, be presented to the Council at its next meeting subject to the provision of the regulations regarding notice.

52. (1) The number of members in each Committee shall not exceed seven.

(2) No member of the Council shall be elected or appointed for more than two Committees.

(3) The Chairman of a Committee, with the consent of the President, may invite not more than one member of the Council to attend any meeting of the Committee, who is not a member of that particular Committee but the person so invited shall be free to participate in the discussion of the Committee but shall not have the right to vote.

Provided that where financial commitment is not involved, any number of members can be invited by the Chairman of a Committee with the consent of the President but such invited members shall be free to participate in the discussions of the Committee but shall not have the right to vote :

## PART VIII

### TENURE OF OFFICE AND POWERS AND DUTIES OF SECRETARY AND OTHER OFFICERS AND SERVANTS OF THE COUNCIL

53. The term of office of the Secretary shall be fixed by the Council at the time of appointment. He shall retire on attaining the age of 58 years unless otherwise determined by the Council:

Provided that he may be granted extension of service beyond 58 years for a total period not exceeding two years.

54. (1) The Secretary shall be the Executive Officer of the Council.

(2) He shall perform such duties as have been assigned in the Act and the regulations and also as assigned by the President. He shall also be responsible for the safety of the property of the Council, the control and management of the office and for the accounts and correspondence :

He shall see that the office staff attend punctually, and generally fulfil all such duties as may be required of him by the Council for the purposes of the Act. He shall attend and take notes of the proceedings of meetings of the Council, the Executive Committee and other Committees.

55. The Secretary shall, not less than ninety days before the expiration of the term of any member of the Council, draw the attention of the President to the approaching vacancy and the latter shall forthwith report it to the Central Government in order that a new member may be nominated or elected to fill the vacancy from the date on which the vacancy occurs.

## STAFF

56. Members of the ministerial and Group 'D' staff shall be required to retire on attaining the age of 58 years:

Provided that the Council may at its discretion extend the tenure of a member of the ministerial or lower-grade staff for any period not exceeding two years.

57. The duties and responsibilities of the staff shall be such as may be laid down from time to time in the standing orders as framed for the purposes by the Council.

58. Subject to the approval of the Executive Committee, the Secretary shall appoint the clerical and Group 'D' staff and may engage such temporary personnel as may be required from time to time, and pay a reasonable rate of remuneration to such personnel, provided that it does not exceed the rate sanctioned by the Central Government for corresponding permanent staff. These appointments shall be subject to ratification by the Council.

## PART IX MANAGEMENT OF PROPERTY, FINANCE AND ACCOUNTS

59. Subject to the control of the Council, the Executive Committee shall have full power and authority to do all such acts and deeds in respect of the property of the Council which may be necessary or expedient for the purpose of the Council and expend money therefrom, and in particular and without prejudice to the generality of this provision, the Executive Committee shall have the power:

- (a) to look after, manage and supervise the management of the property of the Council and to expend money required for that purpose;
- (b) to pay all rates, rents, taxes, salaries or other dues;
- (c) to acquire by gift, purchase, exchange, lease or otherwise hand over and to sell, mortgage or otherwise dispose off any lands, buildings and other movable and immovable properties of the Council;
- (d) to build, construct, maintain, pull down, alter, extend, improve and repair any building or structure of the Council; and

(e) to delegate any of its powers to the President, Vice-President, Committee, any authority or Officer of the Council.

Provided that the Executive Committee shall place before the next meeting of the Council full information about any action taken in respect of the movable or immovable property of the Council:

Provided further that no sale, lease or any other transfer of immovable property as specified in clauses (c) and (d) exceeding two thousand rupees in value shall be made without the previous sanction of the Council.

60. The Council is authorised to receive for the purpose of its expenses, benefactions and contributions from private persons and bodies with the prior permission of the Central Government and the proceeds of sale of reports and other publications.

61. The Bankers of the Council shall be the local branch of State Bank of India. All funds of the Council shall be paid into the Council's account with that Bank and shall be withdrawn by means of cheques jointly signed by the President or in his absence the Vice-President and the Secretary. The cheque books shall remain in the personal custody of the Secretary.

62. The funds of the Council surplus to current requirements may on recommendations by the Secretary and with the sanction of the Finance Committee be invested in the following manner, namely :—

- (i) in promissory notes, stock or other securities of any State or Central Government;
- (ii) in stock or debentures or shares in companies, interests which have been guaranteed by the Government of India; and
- (iii) in debentures or other securities for money issued under the authorities of an Act or on behalf of any Municipal Body, Port Trust or City Improvement Trust.

63. An investment of the funds of the Council shall be made in the name of the Council. The safe custody of receipts shall remain in the personal charge of the Secretary and shall be verified once in six months with the register of securities maintained under regulation 71 and a certificate of verification shall be recorded by the Secretary on the register and countersigned by the President.

64. The Finance Committee shall prepare detailed estimate of receipts and expenditure for the next financial year and shall submit the same for approval by the Executive Committee at its next meeting to be held for the purpose before the first of November every year. One copy of the approved estimates shall be submitted to the Council and another to the Secretary Department of Animal Husbandry and Dairying, Government of India, by the first of November every year.

65. The funds of the Council shall not be appropriated for expenditure on any item which has not been duly sanctioned by the Council or by the President or Secretary as the case may be.

66. The Primary units of the appropriations shall be "pay of officers", "pay of establishment", "allowances and honoraria", "contingencies" and "leave, pension and provident fund contributions".

67. The President shall have power to reappropriate funds from one unit of appropriation to another within the total sanctioned estimate. Copies of orders sanctioning such reappropriation shall be communicated to the Executive Committee.

68. The Secretary shall have power to sanction expenditure on miscellaneous and contingent nature upto an amount not exceeding Rs. 500 in each case. Expenditure in excess of that amount shall require the sanction of the President.

69. A permanent advance of Rs. 500 shall be made to the Secretary.

70. The Secretary shall be the certifying officer for travelling, halting and other allowances to Members, Inspectors, Visitors and other employees of the Council and the President for those of the Secretary.

71. The following registers shall be maintained by the Council, namely,—

- (1) The Cash Book,
- (2) The Classified Abstract,
- (3) The Register of Securities,
- (4) The Register of Stock and Furniture,
- (5) The Register of Stock of Cheque Books,
- (6) The Register of leave, Provident Fund and pension contributions,
- (7) The Register of permanent advances,
- (8) Annual Accounts, and
- (9) Any other account Register.

72. The monthly accounts shall be compiled in the classified abstract according to the primary units of appropriation. Suitable secondary units may be opened at the discretion of the Secretary, who shall be responsible for the due preparation and maintenance of all accounts.

73. (1) The Accounts of the Council shall be audited annually by the Comptroller and Auditor-General of India or any person appointed by him in this behalf. Any expenditure incurred by him or any person so appointed in connection with such audit shall be payable by the Council.

(2) The Comptroller and Auditor-General of India or any person appointed by him in this behalf shall have the same rights, privileges and authority in connection with such audit as the Comptroller and Auditor-General has in connection with the audit of Government accounts and in particular shall have the right to demand the production of books, accounts, connected vouchers and such other necessary documents and papers.

(3) The result of the audit shall be communicated by the Auditor to the Council and after the Executive Committee has considered the same, the audit report and the audited statement of accounts shall be forwarded to the Department of Animal Husbandry and Dairying, Government of India. Copies of the audit report shall at the same time be circulated to all the members of the Council, for information:

Provided that if release of Government grant is held up for want of audited accounts, President may forward the audited accounts to the Central Government immediately on receipt of the same from the Auditor.

[No. 4-1/90-VCI]

(PROF.) (DR.) RAMA KUMAR V., Secy.